Diamond Comics
प्राण
रमन
और पांचवा गीयर

कार्टूनिस्ट प्राण का जन्म कसूर नामक कस्बे में, जो अब पाकिस्तान में है, हुआ था। एम.ए. (राजनीति शास्त्र) और फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप से शुरू हुआ।

उन दिनों सारे भारत में विदेशी कॉमिक्स छपती थीं। प्राण ने भारतीय पात्रों की रचना करके भारतीय विषयों पर कॉमिक्स बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख पात्र हैं - चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू और रमन।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनको 1995 में पीपुल ऑफ द ईयर अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी चाचा चौधरी स्ट्रिप को इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ कार्टून आर्ट, अमरीका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनी कॉमिक्स 'रमन हम एक हैं' का विमोचन किया।

प्राण के पात्रों की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सादे हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं।

प्रकाशक

TITLE RAMAN AND THE CHARACTER ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES A-86, NARAINA VIHAR, NEW DELHI. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

ठीक है, बेटे! तुम स्कूटर को वैसा कर दो.
कुछ देर बाद.
डैडी! स्कूटर तैयार है!
वाह! अब वह हवा से बातें करता है.
PUBLIC CARRIER
?!
रमन! क्या एटम बम गिरा था?

मोबाइल फोन
रमन! कहां जा रहे हो?
क्रिकेट-मैच देखने.
अमां यार, नया मोबाइल ले लिया?
हां. दोस्त! इससे सोसाइटी में प्रेस्टीज बढ़ती है.
इससे की गई कॉल सस्ती है.
और इनकमिंग कॉल गुपत है.

इससे ई-मेल एस. एम. एस. और फैक्स भेज सकते हैं.
और तो और इसमें गेम भी खेल सकते हैं.
इससे ज़िन्दगी कितनी आसान हो गई है?
चौका!
ट्रिन न न!
एक नुकसान भी है - बीवी का फोन कहीं भी आ सकता है.

प्यार
रमन! क्या कर रहे हो?
खलीफा! इंटरनेट से ई-मेल भेज रहा हूं.
किसे?
अपनी पत्नी कमली को. वह मायके गई है.
वाह ह! भई, प्यार हो तो ऐसा!
अगले दिन.
दोस्त! किसे चिट्ठी लिख रहे हो?

अपनी बीवी, कमली को.
तुमने तो कल ही चिट्ठी लिखी थी ना?
हां, मैं हर रोज उसे ई-मेल भेजता हूं.
शादी के इतने सालों बाद भी इतना प्यार ?
ऐसी कोई बात नहीं है.
तो?..
जाते वक्त मेरी पत्नी कहकर गई थी, जिस दिन उसे मेल नहीं मिला, उसी दिन वह घर लौट आएगी.

जोखम का काम
रमना मैं अपने चचा से मिलने जा रहा हूं. शाम तक यह मुरगी अपने पास रख लो!
आखिर दोस्त को दोस्त के काम आना चाहिए.
उसने बीट करके ड्राइंगरूम गंदा कर दिया.

मैं इसे बाहर ले जाता हूं.
दाने खाओ और बड़ा सा अंडा दो!
चल भाग।
तुमने मेरी पूसी को डराया?
दोस्ती निभाना भी जोखम का काम है.

दिन का चोर
वाह ह! प्लाज़्मा टी.वी. पर स्पोर्ट्स देखने का मजा ही अलग है।
इसके बाद मैं अपना फेवरेट सीरियल का चैनल चलाऊंगी।
अहा! खुली खिड़की। चोरी का सुनहरा मौका है।
आज अपनी किस्मत तेज है।

दूसरे कमरे से यह कैसी आवाजें?
खट!
खटाक!!
ए! तुम कौन हो?
चोर?
सारा रूपया जेवर मेरे हवाले कर दो!
यह शराफत नहीं है!
दिन-दहाड़े चोरी करने आए हो?
दरअसल..
..रात के अंधेरे से मुझे डर लगता है!

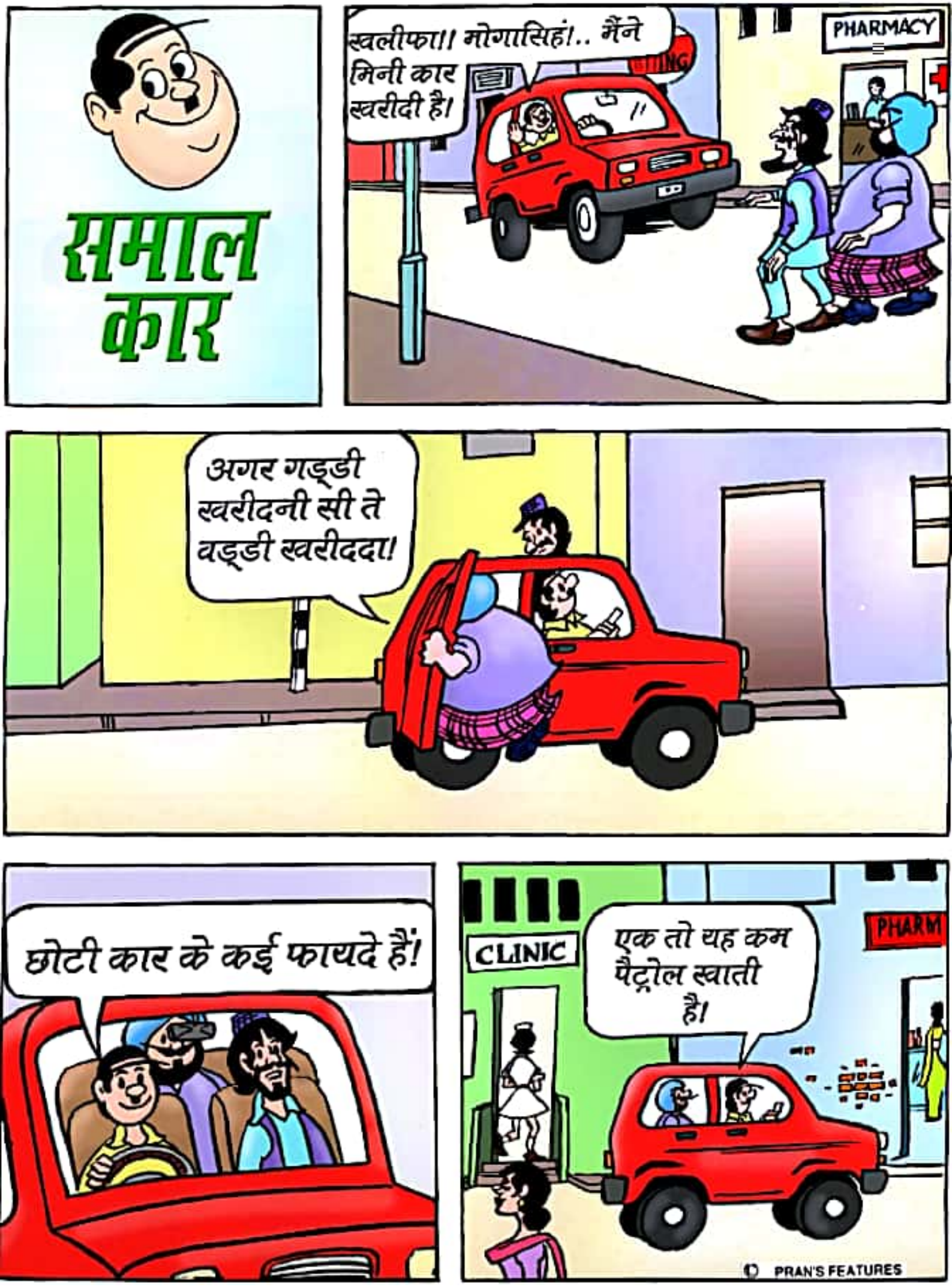
समाल कार
स्वलीफा!! मोगासिहं!.. मैंने मिनी कार स्वरीदी है!
PHARMACY
अगर गड्डी स्वरीदनी सी ते वड्डी स्वरीददा!
छोटी कार के कई फायदे हैं!
CLINIC
एक तो यह कम पैट्रोल स्वाती है!
PHARM
© PRAN'S FEATURES

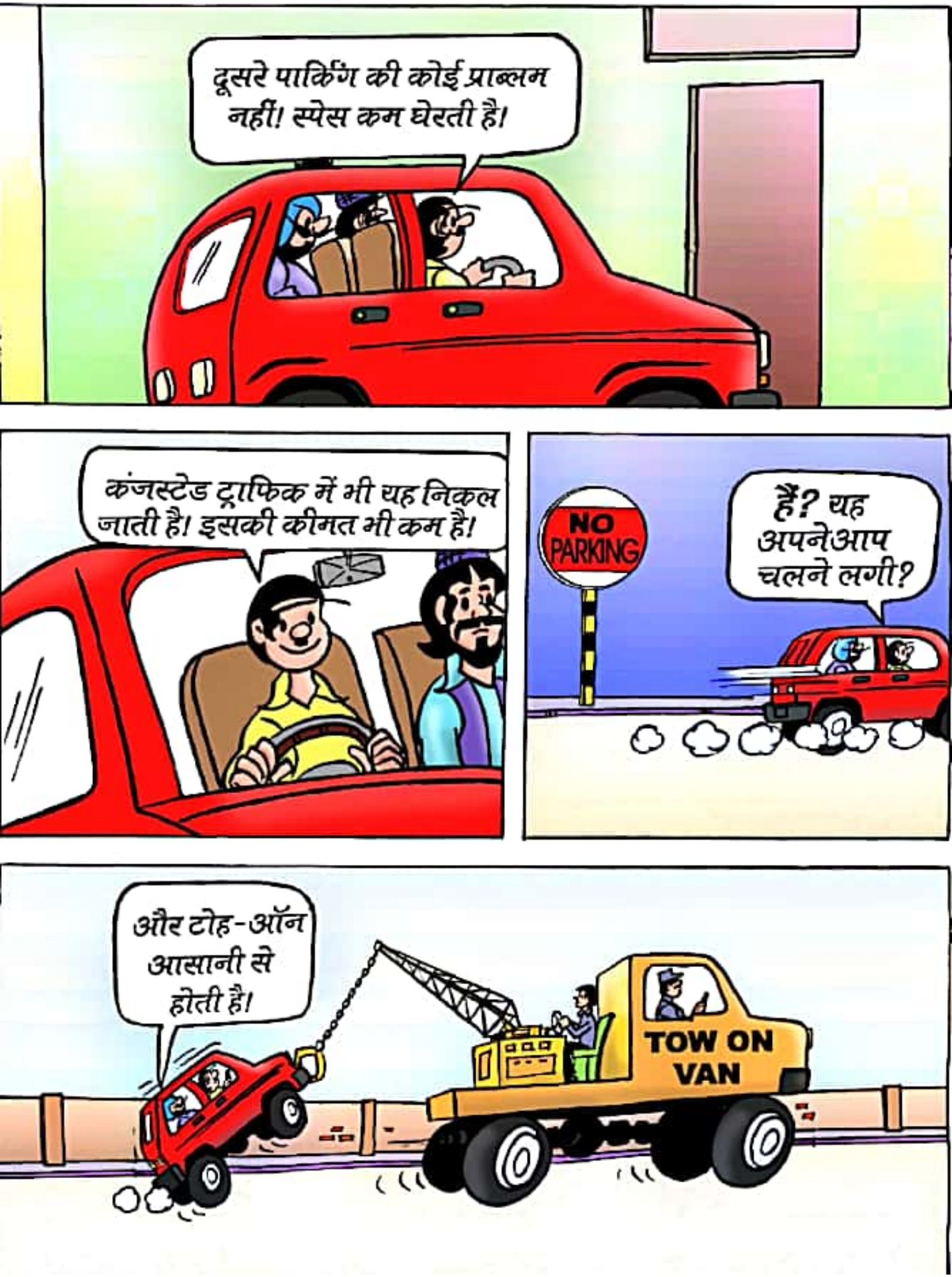
दूसरे पार्किंग की कोई प्राब्लम नहीं! स्पेस कम घेरती है।
कंजस्टेड ट्राफिक में भी यह निकल जाती है। इसकी कीमत भी कम है।
NO PARKING
हैं? यह अपनेआप चलने लगी?
और टोह-ऑन आसानी से होती है।
TOW ON VAN

रमन के शूज़
मेरे जूतों के तलवे घिस गए हैं!
टाइम आ गया हैं कि तुम्हें नए जूते खरीदने चाहिए!
मगर अभी हाथ टाइट है!
मैंने अखबार में पढ़ा है कि एक जगह सेल लगी है!
हां! एक स्टोर में 100 रूपए में में बढ़िया शूज़, सैंडिल बिक रहे हैं!
वहीं जाता हूं!
देखकर बढ़िया डिजाइन लेकर

R&Co
BOOT HOUSE
SALE
BOOT HOUSE
SOLD OUT
कमली! मैं जूते ले आया!
पहनकर दिखाओ!
काफी देर हो गई है! तुम बाहर क्यों नहीं आ रहे?
ओह ह! भीड़-भाड़ में मेरा जूतों का डिब्बा लेडीज के सैंडिलों से बदल गया!

कुम्भकर्ण की नींद

खलीफा! रामलीला में कुम्भकरण के रोल के लिए गप्पू उपयुक्त रहेगा.
मुझे ठोस सुबूत दो कि यह कुम्भकरणी नींद सो सकेगा?

मैं सरकारी दफ़्तर में काम करता हूं.
काफी है. मेकअप करके स्टेज पर आजाओ! पर्दा उठने वाला है.

स्वर्र! स्वर्र!

कुम्भकरण जी को जगाओ! लंका पर हमला हुआ है.
कुछ भी हो, वह छह महीने से पहले नहीं उठेंगे.
© PRAN'S FEATURES
850

शायद चिल्लाने से वह उठ जायें?
चाहे ढोल पीटो. वह नहीं जागेगें.
स्वर्र! स्वर्र!

दृश्य खत्म हुआ. पर्दा गिराओ!
गप्पू! तुम्हारी एक्टिंग देखकर यह साहब तुम्हें टी.वी. एडवर्टाइज़मेंट के लिए अनुबंध करना चाहते हैं
मैंने तो एक्टिंग की ही नहीं, सिर्फ सोता रहा. इनकी कम्पनी क्या बनाती है?
रबर फोम के गद्दे. उनके लिए कुम्भकरण से अच्छा मॉडल कहां मिलेगा?

लाट्री
मुरलीधर! परेशान क्यों हो?
शादी नहीं कर पा रहा हूं. मेरी सैलरी मात्र 5000 रूपए हैं. इतनी कम तनख्वाह में कौनसी लड़की मेरे साथ शादी करेगी?
तुम इंकम क्यों नहीं बढ़ाते?
कैसे?
© PRAN'S FEATURES
तुम्हारी कम्पनी में कितने एम्पलायी हैं?
एक हजार!

हर एक से दस रूपए लो. और सभी के नाम की पर्ची लिखकर एक बाक्स में डालो...
फिर उनमें से एक पर्ची निकालो, जिसका नाम आए उसे तुम अपनी सारी तनख्वाह इनाम में दे दो!
जीतने वाले को मात्र 10 रूपए में 5000 मिलेंगे तो हर महीने लोग स्कीम में हिस्सा लेंगे.
और तुम हर महीने 10,000 रूपए घर ले जाओगे!

मूंगफली वाला
सर्दियों का मेवा मूंगफली खायी जाये.
एक रुपये की मूंगफली देना लेकिन मेरे पास पचास रुपये का नोट है.
50/-
कोई बात नहीं.
मैं आपका पचास का नोट तुड़वाकर लाता हूं. आप जरा रेहड़ी का खयाल रखना.
859
© PRAN'S FEATURES

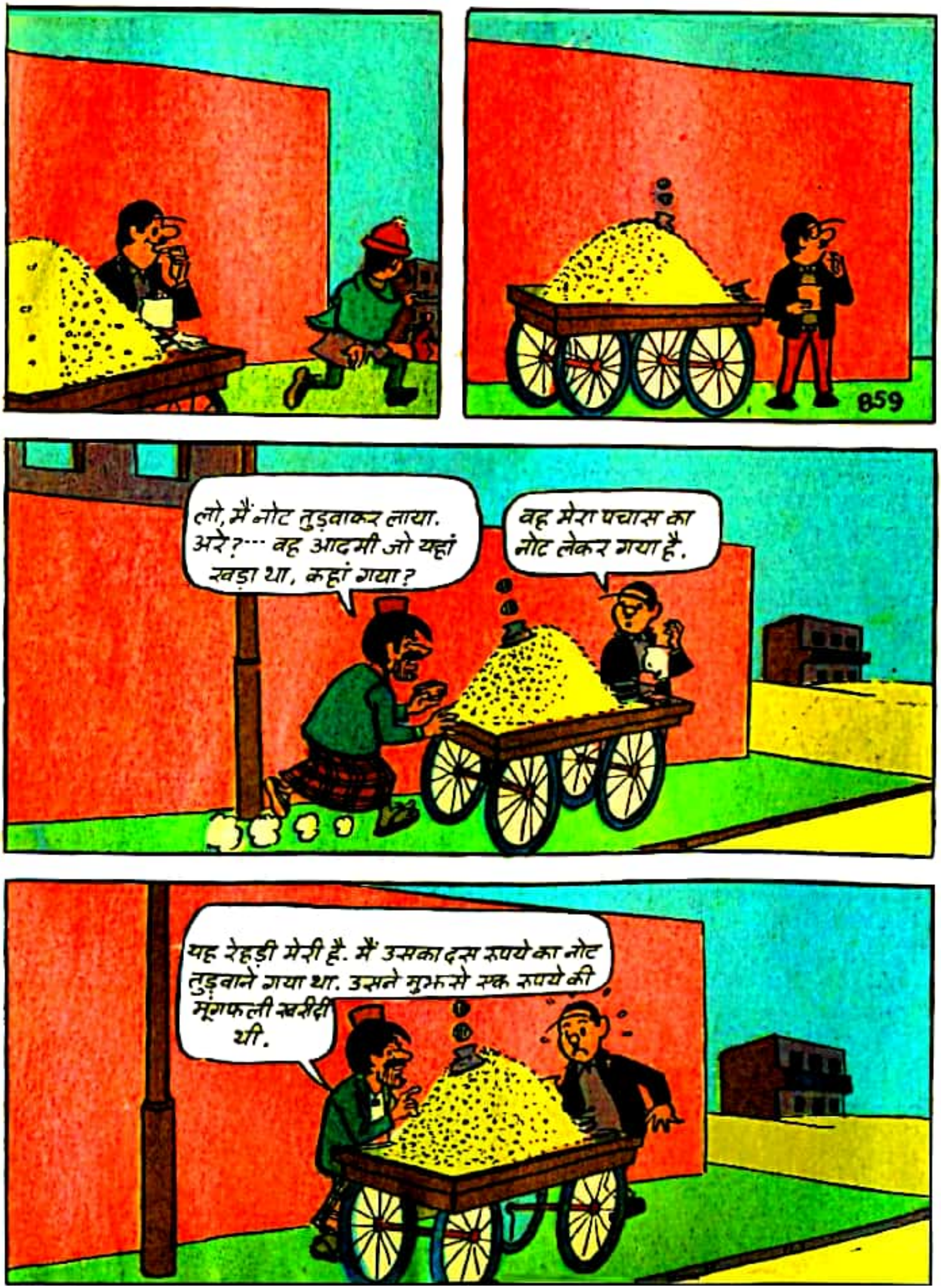
859
लो, मैं नोट तुड़वाकर लाया. अरे?··· वह आदमी जो यहां खड़ा था, कहां गया?
वह मेरा पचास का नोट लेकर गया है.
यह रेहड़ी मेरी है. मैं उसका दस रुपये का नोट तुड़वाने गया था. उसने मुझसे एक रुपये की मूंगफली खरीदी थी.

नया साल मुबारक
नया साल मुबारक!
पहली जनवरी को टेलीफोन डिपार्टमेंट यह टेप लगाकर शुभकामनायें देता रहता है. यह सिलसिला सारा दिन चलता रहता है.
नया साल मुबारक!
इसे बार बार सुनना कितना अच्छा लगता है.
टिंग टांग!
देखूं, कौन आया है?
86!
© PRAN'S FEATURES

मिनी, तुम?
नया साल मुबारक!
मेरा तोता बोलता है.

यह कुछ भी नहीं. हमारा टेलीफ़ोन बिना डायल किये बोलता है.

हमारी टीचर कहती है कि बेजान चीज़ें नहीं बोलतीं.
शर्त रही. अगर हमारा फोन न बोले तो मैं तुम्हें पांच रुपये दूंगा. बोले तो तुम तोता यहीं छोड़ जाना.

टेलीफ़ोन चुप है.
?
!!

खराब हो गया है.

यह रहा पांच का नोट.
नये साल का पहला नुकसान.

सोना
सोहन! क्या हालचाल है?
आजकल मैं बहुत खुश हूं.
क्या कोई गुड न्यूज़ है?
सोने की कीमतें ऊपर चढ़ गई हैं.
क्या तुम्हारे पास सोने के बिस्कुट हैं?

क्या तुम्हारी बीवी के पास गोल्ड की काफी ज्वैलरी है?
नहीं।
वह भी नहीं।
तो क्या इनामी क्विज़ में एक किलो सोना जीता है?
नहीं।
तो सोने की कीमत बढ़ने से तुम्हें क्या लेनादेना?
मेरा एक दांत सोने का है!

अच्छा श्रोता
मेरा तो भाग्य फूटा था जो तुम्हारे पल्ले पड़ गई! इतनी कम तनख्वाह में घर का खर्च चलाना कितना मुश्किल होता है!
कभी कोई कपड़ा खरीदकर नहीं दिया! अपनी मां के दिए सूट पहनकर गुज़ारा कर रही हूं!
दूसरे पतियों को देखो! बीवीयों को शिमला, गोवा, सिंगापुर और स्विटज़रलैंड घुमाने ले जाते हैं! यहां तो इतवार का बाजार तक नहीं देखा!

दोस्त रमन!
खलीफा! तुम कब आए?

आधे घंटे से सुन रहा हूं. बाप रे! कमली भाभी तो बहुत बोलती हैं!

तुम इतना बोलना कैसे बर्दाश्त् करते हो?
मुझे शादी से पहले से सुनने की आदत है!

यानि?
तब मैं रेडियो प्रोग्राम्स् का श्रोता था!

बंजारे
रमन जी, मैं साउथ इंडियन। मेरा हिन्दी वीक।
मुझे अपना बेटी को हिन्दी होमवर्क करवाना होता। मैं क्या करें?
तुम उसके प्रश्नों के जवाब मुझसे पूछ लिया करो।

बेटी ने पूछा---
बंजर किसे कहते हैं, उदाहरण सहित लिखो?
बंजर:-
जहां कुछ भी न उंग सके।
जैसे?..
बॉस का सिर

सुअवसर
HOTEL
Sweets
एक किलो पेड़े दीजिए!
अभी लीजिए, जनाब!
दोस्तो! मिठाई खाओ!
वाह ह ! मजा आ गया!

रमन! आज तेरा जन्मदिन हैगा ए?
नहीं!
तो फिर यह मिठाई किस खुशी में है?
शादी के कई सालों बाद आज बीवी मुझसे खुश हुई है!
वह कैसे?
आज पहली बार बैड टी उसने बनाई है!

सुरक्षा
शहर में पांच जगह बम धमाके!...
पुलिस को और भी कई जगह बम छुपे होने का अंदेशा...
बाहर जाना तो जान को जोखम है!
बेहतर होगा बॉस को फोन कर दो! और ऑफिस से छुट्टी ले लो!

सर! अपनी सुरक्षा को देखते हुए मैं एक हफ्ते तक ऑफिस नहीं आऊंगा!
ठीक है!
एक घंटे बाद...
सर! आप?
तुम्हें अपनी जान प्यारी है, मुझे अपना काम! यह लैपटाप रखो. इसपर ऑफिस का काम निपटाते रहना.
और इंटरनेट से मुझे ई-मेल करते रहना!

विरोध प्रदर्शन

मेकअप कर लूं!

कमली! कहां जा रही हो?
आज हमारी महिला-समिति शराब के ठेकों पर धरना देगी!

हम महिलाएं शहर के सारे ठेकों का घेराव करेंगी!

चलो, बहनो! मैं आ गई हूं!
शराब बंद करो!
शराब बंद करो!
शराब जहर है!
बंद हो!
आखिर महिलाएं शराब की इतनी विरोधी क्यों होती हैं?
शराब बंद करो!
क्योंकि शराब पीकर चूहे पति भी शेर की तरह दहाड़ने लगते हैं!